भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पालक्काड

वार्षिक रिपोर्ट 2015–16

सही उद्धरण
आईआईटी पालक्काड वार्षिक रिपोर्ट 2015–16
पालक्काड, केरल, भारत।

प्रकाशित
प्रोफेसर भास्कर राममूर्ति
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास
आईआईटी पीओ, चेन्नई–600 036 भारत।
टेलीफोन:91–044–2257 8001
फैक्स:91–044–2257 8003
वेब:www.iitm.ac.in

संकलन और संपादन
प्रोफेसर पी. बी. सुनिल कुमार
प्रोफेसर एस. काशीविश्वनाथन

फोटो आभार
आईआईटी पालक्काड स्टाफ और छात्र

डिजाइन आभार
श्री सोजु फ्रांसिस

इस प्रकाशन के किसी भी भाग को उपरोक्त पते पर
निदेशक, आईआईटी पालक्काड की पूर्व अनुमति के बगैर
पुनः उद्धृत नहीं किया जाएगा।

मुद्रण
इम्प्रेशनस मल्टी कलर ऑफसेट प्रिंटर्स
पालक्काड–678005
ईमेल आईडी: impressionspkd@gmail.com

विषय–सूची

1.	प्रस्तावना	*1*
2.	अभिशासन	*2*
3.	लोग	*6*
4.	अवसंरचना	*8*
5.	शैक्षिक गतिविधि	*12*
6.	छात्र गतिविधि और इवेंट	*15*
7.	वित्तीय रिपोर्ट	*21*

प्राक्कथन

मुझे आईआईटी पालक्काड की पहली वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में अत्यंत हर्ष है। यह आईआईटी परिवार की शैक्षिक गतिविधियां आरंभ करने वाला 17वां सदस्य है। केरल के लोग यह देख काफी प्रसन्न हैं कि उनकी एक आईआईटी की काफी लंबे समय की इच्छा 2014 के केन्द्रीय बजट में पूरी हुई है। 20 नवम्बर 2014 को आईआ. ईटी मद्रास को केरल तथा आंध्र प्रदेश में दो नए आईआईटी के लिए परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया। आईआईटी हैदराबाद के परामर्शदाता के रूप में कार्य करने के पश्चात आइआईटी मद्रास के संकाय और सदस्यों में इन कार्यों के लिए कोई हिचक नहीं थी। सभी व्यय की देखरेख के लिए एक विशेष लेखा बनाया गया और प्रो. पी. बी. सुनिल कुमार को नए आईआईटी का प्रभारी प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया।

राज्य में आईआईटी की स्थापना की बारे में राज्य सरकार और लोागों की उत्सुकता और उत्साह पालक्काड में नए आईआईटी के लिए स्थायी और अस्थायी स्थान की पहचान करने में तेजी से उठाए गए कदमों से स्पष्ट होती है। राज्य सरकार ने संभावित स्थानों का विस्तृत अध्ययन किया और मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नियुक्त स्थल चयन समिति;एसएससीद्ध को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। एसएससी ने जनवरी 2015 में सभी स्थानों का दौरा किया और फरवरी 2015 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। मार्च 2015 में राज्य सरकार ने एसएससी की रिपोर्ट स्वीकार करने और जिलाधीश पालक्काड को भूमि के अधिग्रहण के लिए आवश्यक कदम उठाने के संबंध में आदेश जारी किया। मैं, समय से कार्रवाई के लिए राज्य और जिला प्रशासन के प्रति अपना आभार व्यक्त करना चाहूंगा।

हालांकि आईआईटी पालक्काड अपने अस्थायी परिसर के रूप में अहिल्या इंटिग्रेटिड कैम्पस, कोजीपाड़ा के भीतर शानदार परिसर प्राप्त करने में भाग्यशाली है जिसमें शैक्षिक गतिविधियों के संचालन के लिए 500 मीटर के व्यास में पर्याप्त सुविधाएं हैं तथा यह छात्रों तथा संकाय सदस्यों को दो वर्षों के लिए आवास प्रदान करता है, कक्षाएं आरंभ किए जाने से पूर्व भवनों में कई आंतरिक संशोधन किए जाने अपेक्षित हैं। अस्थायी परिसर को शैक्षिक वर्ष 2015–16 के लिए तैयार करने हेतु आयोजना बनाने तथा आवश्यक कार्य करने के लिए प्रो. रविन्द्र गेतु की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया। सभी आवश्यक खरीद और अनुबंधों के संचालन के लिए प्रो. गेतु के संचालक तथा प्रो. सुनिल कुमार की अध्यक्षता में एक दूसरी समिति का गठन किया गया। मैं शामिल सभी संकाय और स्टाफ सदस्यों का धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने अत्यधिक परिश्रम किया और अगस्त 2015 में सभी आवश्यक सुविधाएं प्राप्त करने के लिए पालक्काड के कई दौरे किए।

जैसा कि इस रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, आईआईटी मद्रास के कई मौजूदा और सेवानिवृत्त संकाय सदस्यों ने आईआईटी पालक्काड की स्थापना में सहयोग दिया है उनकी तकनीकी और प्रशासनिक कर्मचारियों ने भी समान रूप से सहायता की, जिसमें नियुक्त सदस्यों ने कार्य को समय से पूरा करवाने के लिए अकसर कार्य घंटों के पश्चात भी काम किया। इन सब प्रयासों के बगैर कुछ महीनों के छोटे से समय में शिक्षण कक्ष, प्रयोगशालाएं, छात्रावास और खेल सुविधाएं तैयार कर पाना संभव नहीं था। आईआईटी पालक्काड उनके बिना शर्त समर्थन के लिए ऋणी है।

आईआईटी पालक्काड़ को 30 दिसंबर 2015 को एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था। संसद द्वारा अगस्त 2016 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम में संशोधन किए जाने से अब यह आईआईटी परिवार का पूर्ण सदस्य बन गया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने पहले ही आईआईटी पालक्काड़ में संकाय और स्टाफ पद संस्वीकृत कर दिए हैं। संकाय चयन का एक दौर मई 2016 में आयोजित किया गया और ग्यारह युवा संकाय सदस्यों ने संस्थान में पहले ही कार्यग्रहण कर लिया है।

संस्थान की ओर से मैं मानव संसाधन विकास मंत्रालय और शासी बोर्ड द्वारा दिए गए समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं।

दिनांकः 11 नवम्बर 2016
स्थानः चेन्नई

प्रो. भास्कर राममूर्ति
निदेशक, आईआईटी मद्रास

प्रस्तावना:

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई. आईटी) की स्थापना भारत सरकार द्वारा देश में औद्योगिक उन्नति के लिए विश्व स्तर की तकनीकी शिक्षा उपलब्ध करवाने हेतु की गयी है। आईआईटी का अभिशासन प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 1961 द्वारा किया जाता है जिन्हें राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के रूप में घोषित किया गया है। प्रथम आईआईटी की स्थापना वर्ष 1951 में खड़गपुर में की गयी थी जिसके पश्चात बम्बई(1958),मद्रास(1959), कानपुर (1959) और दिल्ली (1961) की स्थापना की गयी। उच्च गुणवत्तापरक शिक्षा और शोध प्रदान करने में इन आईआईटी की सफलता से ऐसी और संस्थाओं की स्थापना की मांग पैदा हुई। वर्तमान में आईआईटी अधिनियम के तहत 23 संस्थाएं शामिल की गयी हैं।

जुलाई 2014 केन्द्रीय बजट में केरल में एक आईआईटी स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया था। 20 नवंबर 2014 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने आईआईटी मद्रास को आईआईटी केरल के परामर्शदाता संस्थान के रूप में निर्दिष्ट किया। निदेशक, आईआईटी मद्रास ने प्रो. पी.बी. सुनिल कुमार को 1 जनवरी, 2015 से आईआईटी पालक्काड़ के प्रभारी प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया।

17 जनवरी, 2015 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नियुक्त स्थल चयन समिति ने एनएच 47 के नजदीक कोएम्बटूर की और पालक्काड़ से 8 किलोमीटर कोएम्बतूर की ओर जाने वाल पर स्थित पुदुसेरी गांव में लगभग 500 एकड़ भूमि की नए आईआईटी के स्थायी परिसर हेतु स्थल के रूप में पहचान की। समिति ने अहिल्या इंटिग्रेटिड कैम्पस, कोझीपाड़ा में उपलब्ध सुविधाओं को अस्थायी रूप से संस्थान के लिए उचित पाया।

दिनांक 3 अगस्त 2015 को बी.टेक. छात्रों के पहले बैच के स्वागत समारोह के साथ आईआईटी पालक्काड़ की शैक्षिक गतिविधियों को औपचारिक रूप से आरंभ किया गया।

30 दिसंबर 2015 को आईआईटी पालक्काड को पंजीकरण संख्या पीकेडी/सीए/593/2015 के साथ 1860 मालाबार सोसायटी पंजीकरण अधिनियम XXI के तहत सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया। सोसायटी के शासी बोर्ड की पहली बैठक 12 जनवरी 2016 को आयोजित की गयी।

श्रीमती स्मृति जुबिन इरानी, माननीय मानव संससाधन विकास मंत्री ने वीडियों कान्फ्रेंसिंग के जरिए समारोह को संबोधित किया। श्री किश गोपालकृष्णन, सह–संस्थापक मुख्य अतिथि थे। प्रो. भास्कर राममूर्ति (निदेशक, आईआईटीएम) श्री वी. श्रीनिवास (सचिव, एचई, जी. ओके) प्रो. डेविड काईलपिल्लै (आईआईटीएम) और प्रो. एम.एस. मैथ्यूस (आईआईटी पालक्काड) ने एकत्रित व्यक्तियों को संबोधित किया।

शासनः

शासी बोर्ड

1. श्री विनय शील ओबरॉय, सचिव, डीएचई, एमएचआरडी	अध्यक्ष
2. श्री आर. सुब्रमण्यम, अपर सचिव ;टीईद्धए एमएचआरडी	सदस्य
3. प्रो. भास्कर राममूर्ति, निदेशक, आईआईटी मद्रास	सदस्य
4. श्री बी. श्रीनिवास, सचिव, डीएचई, केरल सरकार	सदस्य सचिव
5. श्रीमती दर्शन मामया डबराल, संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, एमएचआरडी	सदस्य
6. श्रीमती तृप्ति गुरहा, निदेशक ;आईआईटीद्धए एमएचआरडी	सदस्य
7. प्रो. पी.बी. सुनिल कुमार, प्रभारी प्रोफेसर, आईआईटी पालक्काड	सदस्य

वित्त समिति

1. श्री विनय शील ओबरॉय, सचिव, डीएचई, एमएचआरडी	अध्यक्ष
2. श्री आर. सुब्रमण्यम, अपर सचिव ;टीईद्धए एमएचआरडी	सदस्य
3. प्रो. भास्कर राममूर्ति, निदेशक, आईआईटी मद्रास	सदस्य
4. श्रीमती दर्शन मामया डबराल, संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, एमएचआरडी	सदस्य
5. श्रीमती तृप्ति गुरहा, निदेशक आईआईटी एमएचआरडी	सदस्य
6. प्रो. पी.बी. सुनिल कुमार, प्रभारी प्रोफेसर, आईआईटी पालक्काड	सदस्य
7. प्रो. जॉब कुरियन, कुल सचिव, आईआईटी पालक्काड	सदस्य सचिव

भवन एवं कार्य समिति

1 प्रो. भास्कर राममूर्ति, निदेशक, आईआईटी मद्रास	सदस्य
2 श्री उन्नीकृष्णा पानीकर, मुख्य अभियंता, सीपीडब्लयूडी, त्रिवेन्द्रम	सदस्य
3 श्री प्रसाद मैथ्यू, उप मुख्य अभियंता ;इलेक्ट.द्धए केएसईबी, पालक्काड	सदस्य
4 प्रो. लिगी फिलिप, अध्यक्ष, इंजीनियरिंग यूनिट, आईआईटी मद्रास	सदस्य
5 प्रो. पी.बी. सुनिल कुमार, प्रभारी प्रोफेसर, आईआईटी पालक्काड	सदस्य
6 श्री एस. रामानुजम, सेवानिवृत्त निदेशक, डीसीएसईएम, डीएई, मुम्बई	सदस्य
7 प्रो. एम.एस. मैथ्यूस आईआईटी पालक्काड़ (सदस्य सचिवे)	सदस्य

शैक्षिक परिषद

1. प्रो. के. राममूर्ति डीन (शैक्षिक पाठ्यक्रम), आईआईटी मद्रास	अध्यक्ष
2. प्रो. जी. रंगा राव रसायन विभाग, आईआईटी मद्रास	सदस्य
3. प्रो. एम. थम्बन नायर गणित विभाग, आईआईटी मद्रास	सदस्य
4. प्रो. एस. काशीविश्वनाथन भौतिकी विभाग, आईआईटी मद्रास	सदस्य
5. प्रो. डी. मालती एचएसएस विभाग, आईआईटी मद्रास	सदस्य
6. प्रो. मनू संथनम सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास	सदस्य
7. प्रो. पी. श्रीनिवास कुमार सीएसई विभाग, आईआईटी मद्रास	सदस्य
8. प्रो. हरिशंकर रामचंद्रन इलेकट्रीकल इंजीनियरिंग, आईआईटी मद्रास	सदस्य
9. प्रो. टी. सुदरराजन यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास	सदस्य
10. प्रो. के. कृष्णैया रसायन इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास	सदस्य
11. प्रो. वी. जी. इडिचांडी, समुंद्री इंजीनियरिंग विभाग	सदस्य
12. प्रो. पी.बी. सुनिल कुमार प्रभारी प्रोफेसर, आईआईटी पालक्काड	सदस्य
13. प्रो. जॉब कुरियन प्रोफेसर, आईआईटी पालक्काड	सदस्य
14. प्रो. एम.एस. मैथयूस प्रोफेसर, आईआईटी पालक्काड	सदस्य

अन्य समितियां

दिनांक 20 जुलाई, 2014 को आईआईटी मद्रास को केरल में नए आईआईटी के लिए निर्दिष्ट किया गया है। शैक्षिक वर्ष 2015–16 के लिए अस्थायी परिसर को तैयार करवाने के लिए आईआईटी मद्रास में निम्नलिखित समितियों की स्थापना की गयी थी।

आईआईटी पालक्काड में अनन्य कृत्य समिति

1. प्रो. पी. बी. सुनिल कुमार	अध्यक्ष
2. प्रो. रविन्द्र गेतु	संचालक
3. प्रो. एस. काशीविश्वनाथन	सदस्य
4. प्रो. रंगा राव	सदस्य
5. प्रो. टी. एस. नटराजन	सदस्य
6. डा. के. एम. मुरलीधरन	सदस्य
7. श्री आर. एसाकीमुथु, उप रजिस्ट्रार, आंतरिक ऑडिट	सदस्य
8. श्री बी. नागराजन, उप रजिस्ट्रार, आईसी एंड एसआर	सदस्य
9. श्री आर.सर्वहरन, सहायक रजिस्ट्रार, आईसी एंड एसआर	सदस्य

आईआईटी पालक्काड अस्थायी–परिसर कार्यान्वयन समिति

1. प्रो. रविन्द्र गेतु	अध्यक्ष
2. प्रो. लिगी फिलिप, अध्यक्ष ईयू, आईआईटीए	अध्यक्ष
3. श्री के. विश्वनाथ, एग्जिक्यूटिव इंजीनियर, इलेक्ट्रीकल, आईआईटीएम	अध्यक्ष
4. श्री के. धर्मराज, एग्जिक्यूटिव इंजीनियर, सिविल–प्रोजेक्ट, आईआईटीएम	अध्यक्ष
5. श्री एम. सुंदराराज, परामर्शदाता, ईयू, आईआईटीएम	अध्यक्ष

लोगः

प्रशासन

1. प्रो. भास्कर राममूर्ति	परामर्शदाता निदेशक
2. प्रो. पी.बी. सुनिल कुमार	प्रभारी प्रोफेसर
3. प्रो. जॉब कुरियन	प्रभारी प्रोफेसर (प्रशासन) एवं उप–कुलसचिव
4. प्रो. एम.एस. मैथ्यूस	प्रभारी प्रोफेसर अवसंरचना
5. प्रो.एस. काशीविश्वनाथन	प्रभारी प्रोफेसर (शैक्षिक एवं छात्र मामले)
6. प्रो. वी. जी. इडीचांडी	वरिष्ठ प्ररियोजना सलाहकार
7. श्री के. माधव उन्नी, आईआरएसएस सेवानिवृत्त	सलाहकार (प्रशासन)

संकाय

1. प्रो. एम.एस. मैथ्यूस	प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी पालक्काड
2. प्रो. जॉब कुरियन	प्रोफेसर, यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी पालक्काड

पूर्णकालीन विजिटिंग संकाय

1. प्रो. एम.सी वलसाकुमार	वैज्ञानिक–एच (सेवानिवृत्त), उत्कृष्ट वैज्ञानिक, आईजीसीएआर, कलपक्कम
2. प्रो. गोविंदनकुट्टी	पूर्व प्रमुख, सामग्री रसायन प्रभाग, आईजीसीएआर कलपक्कम
3. डा. जसीन बाबू	
4. डा. अरविंन्द अजोय	
5. डा. के.पी.दीपेष	

आईआईटी मद्रास से विजिटिंग संकाय

1ण प्रो. एस. काशीविश्वनाथन	प्रोफेसर, भौतिकी विभाग
2ण प्रो. सुसीवर्गीस	प्रोफेसर, रसायन इंजीनियरिंग विभाग
3ण प्रो. के. मंगला सुंदर	प्रोफेसर, रसायन इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास
4ण डा. के. एम. मुरलीधरन	एसोशिएट प्रोफेसर, रसायन इंजीनियरिंग विभाग
5ण प्रो. वी. वेट्रीवेल	प्रोफेसर, गणित विभाग
6ण डा. सरित पी साथीयन	एसोशिएट प्रोफेसर, एप्लाइड मेकेनिक्स विभाग
7ण प्रो. सुंदर राजन	प्रोफेसर, यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग

मेहमान संकाय

1. प्रो. के.के. बालासुब्रमण्यम	पूर्व एमेरिटस प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
2. प्रो. नारायणन नम्बूदिरी	एमेरिटस प्रोफेसर, गणित विभाग, सीयूएसएटी
3. डा. अजित कुमार	राष्ट्रीय जीवविज्ञान केन्द्र, बंगलौर
4. डा. आनंद ओसुरी	राष्ट्रीय जीवविज्ञान केन्द्र, बंगलौर
5. डा. हरि श्रीधर	पारिस्थिकी सोसायटी केन्द्र, बंगलौर

कार्यशाला अनुदेशक

1. डा. जी. बालागणेशन, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	चेन्नई कार्यशाला, आईआईटी मद्रास

शिक्षण सहायक

रसायन

1. श्री एम. जी. हरिकृष्ण	प्रोजेक्ट एसोशिएट
2. सुश्री एम जिजी	प्रोजेक्ट ऐसाशिएट
3. श्री रेड्डी गणेश	प्रोजेक्ट एसोशिएट
4. सुश्री स्नेहा के आर	प्रोजेक्ट एसोशिएट

सिविल इंजीनियरिंग

1. श्री जीजी श्रेयस	प्रोजेक्ट अधिकारी
2. श्री एलेक्स	प्रोजेक्ट एसोशिएट
3. डा. वी. लक्ष्मीनरसिम्हा राव	वरिष्ठ प्रोजेक्ट अधिकारी

गणित

1. सुश्री आरद्रा टी.जोय	प्रोजेक्ट एसोशिएट
2. श्री आर श्रीराम	प्रोजेक्ट एसोशिएट

भौतिकी

1. सुश्री एस. मीनू	प्रोजेक्ट एसोशिएट
2. श्री सी. कृष्णा प्रसाद	प्रोजेक्ट एसोशिएट
3. सुश्री एन. एस. पार्वती	प्रोजेक्ट एसोशिएट

आईआईटी पलक्कड के कर्मचारियों के ब्यौरे

1. डा. के.पी. अब्दुल सलाम	वरिष्ठ प्रोजेक्ट सहायक
2. सुश्री एस. प्रियंका	प्रोजेक्ट एसोशिएट
3. श्री सोजू फ्रांसिस	प्रोजेक्ट एसोशिएट
4. श्री एम. विनेश कुमार	प्रोजेक्ट एसोशिएट
5. सुश्री के. एम. शर्मिला वर्मा	प्रोजेक्ट एसोशिएट
6. श्री वी. आनंदन	वरिष्ठ प्रोजेक्ट सहायक
7. सुश्री वी. दर्शना नायर	वरिष्ठ प्रोजेक्ट सहायक
8. श्री एम. दिलेश	वरिष्ठ प्रोजेक्ट सहायक
9. सुश्री सुषमा बेरा	वरिष्ठ प्रोजेक्ट सहायक
10. श्री शैलेष कुमार	प्रोजेक्ट एसोशिएट
11. सुश्री पी. सुरेखा	प्रोजेक्ट एसोशिएट
12. सुश्री रूकशाना हसन	प्रोजेक्ट एसोशिएट
13. श्री डी एंटोजिडिन	प्रोजेक्ट सहायक
14. सुश्री एन. थेनमोजी	वरिष्ठ प्रोजेक्ट सहायक
15. सुश्री ए गीता	वरिष्ठ प्रोजेक्ट सहायक
16. श्री एम. डेनियल जेरार्ल्ड	वरिष्ठ प्रोजेक्ट सहायक
17. श्री डब्लयू मफीक	प्रोजेक्ट एटेंडेंट
18. श्री ए. आर. अरोमल	प्रोजेक्ट एटेंडेंट
19. श्री ए. मुरलीधरन	वरिष्ठ प्रोजेक्ट सहायक

अवसंरचना:

रसायन प्रयोगशाला

रसायन प्रयोगशाला एक बड़ी और हवादार प्रयोगशाला है जो प्रति बैच 40 छात्रों तक के प्रयोग के लिए अत्याधुनिक मेजों से सुसज्जित है। सुरक्षा विशिष्टताएं जैसे कि प्रयोगशाला के भीतर दो स्थानों पर नेत्र शोधन स्टेशन एवं तुरंत बाहर एक आकस्मिक शावर इस प्रोगशाला में मौजूद हैं। प्रयोगशाला की सुविधाओं में शामिल हैं वोलेटाइल रिएजेंट के साथ प्रयोग करने के लिए एक फयूमहुड ;धुएं का हुडद्ध और ग्लासवेय तथा रसायनिक प्रेसीपीटेटस को सुखाने के लिए एक हॉट एयर ओवन। यूीव–वीआईएस स्पेक्ट्रोफोमीटर और कलोरीमीटर की स्थापना की गयी है। इसके अतिरिक्त, प्रयोग के लिए उच्च शुद्वता वाला जल प्रदान करने के लिए लैब के भीतर एक पोर्टेबल आरओ वाटर प्लांट, अल्प ताप पर प्रयोग के लिए एक आईस फलेक मशीन मौजूद है। इलेक्ट्रॉनिक वेइंग बैलेंस, सॉल्यूशनस के लिए इलेक्ट्रीकल कंडक्टीविटी मीटर, पीएच मीटर और इलेक्ट्रीकल हॉट प्लेट भी लगायी गयी हैं। विशेष रीजेंट के भंडारण के लिए एक प्रयोगशाला रेफरीजरेटर तथा विशिष्ट प्रयोग के लिए वाटर बाथ हैं। नमूना विश्लेषण के लिए तीन पोर्टेबल मेल्टिंग प्लाइंट डिटरमीनेटर उपलब्ध हैं। ग्लासवेयर की सफाई के लिए एक अल्ट्रासोनिक क्लीनर और लघु नमूनों को 900 डिग्री सेंटीग्रेड तक गर्म करने के लिए दो इलेक्ट्रीक बनसन बर्नर उपलब्ध हैं। अवशोषण प्रयोग के दौरान रिएक्शन बोतलों को हिलाने के लिए दो आबि. र्टल शेकर्स भी लगाए गए हैं। इस प्रकार रसायन प्रयोगशाला बी.टेक. छात्रों के प्रशिक्षण के लिए सुसज्जित है जैसा कि इस वर्ष जनवरी–अप्रैल सेमे. स्टर के दौरान हमारे अनुभव से स्पष्ट हुआ था। यह प्रयोगशाला अपशिष्ट न्यूनीकरण की कड़ी नीति के अनुसार चलाई जाती है।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला

आईआईटी पालक्काड में एलडीएपी प्रमाणन तंत्र द्वारा फाइल सर्वर के साथ केन्द्रीय रूप से जुडे सभी 60 ऑल–इन–वन डुएल बूट डेस्कटॉप वाली कम्प्यूटर प्रयोगशाला एक अत्याधुनिक कम्प्यूटिंग केन्द्र है। छात्र इनमें से किसी भी मशीन से अपने घर से सीधी पहुंच प्राप्त करते हुए लॉगइन कर सकते हैं और इसके साथ काम कर सकते हैं। लैब मशीनें उच्च गति लिंक के माध्यम से इंटरनेट के साथ जुड़ी हैं। लैब में 75 छात्रों के बैठने की क्षमता है। इसमें प्रोजेक्शन के लिए दो प्रोजेक्टर्स हैं। प्रयोगशाला का उपयोग कम्प्यूटर एडिड डिजाइन और प्रोग्रामिंग कक्षाओं के लिए किया जाता है और यह छात्रों के लिए प्रत्येक दिन प्रातः 8 बजे से मध्य रात्रि तक खुली हैं।

अधिगम प्रबंधन प्रणाली, मूडल की विशिष्टताओं का पाठ्यकम घटक प्रबंधन, ऑन–लाइन परीक्षाओं के संचालन और कार्य प्रस्तुत करने के लिए उचित प्रकार से प्रयोग किया गया है। कम्प्यूटिंग और नेटवर्किंग आवश्यकताओं को सुलभ बनाने के लिए दो हाई–एंड सर्वरों का प्रयोग किया जा रहा है। पहुंच नियंत्रण के लिए एक फायरवैल एवं स्कविड प्रोक्सी सर्वर स्थापित किया गया है।

छात्रावासों सहित कैम्पस इंटरनेट पहुँच में गतिशीलता के साथ पूरी तरह से वाई–फाई समर्थित है। संस्थान की विभिन्न संचालन इकाईयों को सुरक्षित कनेक्टीविटी के लिए 3 पृथक वीएलएएनएस में आयोजित किया गया है। राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क से एक 1000 एमबीपीएस इंटरनेट कनेक्शन और बीएसएनएल से एक दूसरा 100 एमबीपीएस कनेक्शन इंटरनेट उपयोग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपलब्ध है।

भौतिकी प्रयोगशाला

भौतिकी प्रयोगशाला प्रथम वर्ष की पाठ्यचर्या का अभिन्न अंग है। भौतिकी प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों द्वारा स्वयं प्रयोग करने के लिए कौशल और आत्मविश्वास पैदा करते हुए उनके द्वारा सीखे गए पहलुओं को पुनःस्थापित करना है। प्रयोगशाला स्वयं में बड़ी है और चालीस छात्र पर्याप्त स्थान के साथ एक सत्र में प्रयोग करते हैं। प्रयोग में तीन प्रमुख क्षेत्र शामिल होते हैं: मशीनें, आप्टिक्स और विद्युत तथा मेगनेटिज्म। प्रयोगशाला में कई आधुनिक उपकरण हैं जैसे कि डिजिटल ऑक्सीलोस्कोप्स, प्रोग्रामेबल फंक्शन जनरेटर, ग्रीन लेजर डायोड एसेम्बलीस, ट्रू आरएमएस डिजिटल बैलेंस इत्यादि। ये उपकरण सटीक माप के लिए उपकरणों के रूप में कार्य करते हैं जबकि जोर प्रयोग पर दिया जाता है।

नवाचार प्रयोगशाला

आईआईटी पालक्काड में नवाचार प्रयोगशाला एक छात्र–संचालित रूची प्रयोगशाला है जो छात्रों को उनके विचारों को प्रोटोटाइप तथा उत्पादों में परिवर्तित करने की अनुमति देती है। इसप्रकार की सुविधा में भारत सरकार के 'मेक–इन–इंडिया' पहल को आगे बढ़ाने की काफी क्षमता है। आईआईटी पालक्काड में नवाचार प्रयोगशाल का केन्द्र टेबल टॉप कम्प्यूटर नियंत्रित मशीनिंग प्रणाली का सेट, एक डुअल–हेट 3 डी प्रिंटर, एक सीएनसी राउटर, एक सीएनसी मिलिंग मशीन और एक सीएनसी लेथ है। इनमें से पहली दो प्रणालियां अगस्त 2016 से संचालनरत हैं जबि सीएनसी मिलिंग मशीन और लेथ के प्रापण के लिए वर्तमान में प्रयास किए जा रहे हैं। उपरोक्त चार मशीनें प्लास्टिक, लकड़ी और एल्युमिनियम जैसे सॉफट मेटल में प्रोटोटाइप के सटीक फैब्रिकेशन को सरल बनाएंगी।

आधुनिक पावर सप्लाई के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक्स परीक्षण एवं फैब्रिकेशन सेट–अप, सिग्नल जनरेटर तथा ओसीलोस्कोप भी अगस्त 2016 से कार्यरत हैं। छात्रों ने स्वयं को नवाचार प्रयोगशाला–'रोबोटिक्स क्लब' का पूरा लाभ उठाने के लिए व्यवस्थित करना आरंभ कर दिया है, रोबोटिक्स क्लब आईआईटी पालक्काड में चलाए जाने वाला पहला छात्र–संचालित कलब है। नवाचार प्रयोगशाला में फैब्रिकेशन सुविधाएं पूरी तरह से स्थापित होने पर यह परिकल्पना की जाती है कि इन सुविधाओं को आईआईटी पालक्काड़ के आस–पास स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों के लिए भी उपलब्ध कराया जा सकता है जिससे की जमीनी स्तर पर नवा. चार को प्रोत्साहित करने की खोज में वृद्वि की जा सके। दीर्घावधि में यह आशा है कि नवाचार प्रयोगशाला कंपनियों को तैयार करने और उद्यमियों के पौषण में आईआईटी मद्रास के समान सफल नवाचार केन्द्र होगी।

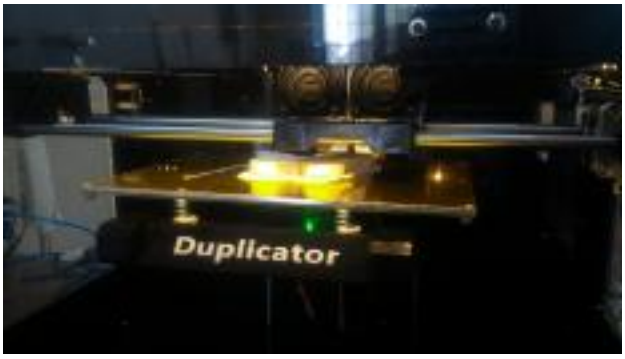

केन्द्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय, आईआईटी पालक्काड सामान्य कार्य घंटों के दौरान तथा उसके बाद और अवकाश के दिनों में अध्ययन और अधिगम के लिए इष्टतक अवसर के साथ मनोरंजक अधिगम अनुभव प्रदान करता है। यह पुस्तकालय सावधानी रूप से तैयार पुस्तकों के संतुलित संग्रह, पत्रिकाओं तथा समाचारपत्रों के माध्यम से सूचना/ज्ञान संसाधन प्रदान करता है। यह पुस्तकालय अन. लिमिटिड हाई स्पीड इंटरनेट पहुंच के लिए वाई–फाई तथा लेन सुविधा से युक्त है।

केन्द्रीय पुस्तकालय ने संस्थान के 700 पुस्तकों के संग्रह के साथ कार्य करना आरंभ किया और वर्तमान में इसका संग्रह बढ़कर 1500 पुस्तकों तक का हो गया है। प्रदत्त पाठ्यक्रमों के लिए पर्याप्त पाठ्यपुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों का प्रापण किया गया है। छात्रों, संकाय और स्टाफ की सामान्य रूची की अन्य पुस्तकों की खरीद भी की गयी है। इसमें सीडी–रोम, वैज्ञानिक किट इत्यादि जैसी ऑडियो–विजुअल सामग्री का भी संग्रह है। आईआईटी पालक्काड के केन्द्रीय पुस्तकालय के उपभोक्ताओं को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित और आईआईटी खड़गपुर द्वारा समन्वित राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय के साथ भी पंजीकृत किया गया है।

पुस्तकालय के ऑपरेशन ओपन सोर्स लाइब्रेरी मेनेजमेंट साफट्वेयर केओएचए का प्रयोग करते हुए पूर्णत कम्प्यूटरीकृत हैं। पुस्तकों का प्रापण संकाय सदस्यों की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है। पुस्तकों पर तकनीकी कार्रवाई डीडीसी वृगीकरण प्रणाली का प्रयोग करते हुए समुचित वृगीकरण द्वारा की जाती है। पुस्तकों को देने और लेने की प्रक्रिया स्मार्ट आईडी कार्ड के जरिए की जाती है। पुस्तकालय के उपभोक्ता ऑनलाईन पब्लिक पहुंच केटेलॉग के माध्यम से पुस्तकें आरक्षित करने की सुविधा का लाभ उठा रहे हैं जिससे उन्हें समय की बचत में सहायत मिलती है।

पुस्तकालय संदर्भ तथा परामर्श जैसी सेवाएं प्रदान करता है और साथ ही उपभोक्ताओं को समाचार क्लिपिंग और पुस्तकालय में नई पुस्तकों की सूची के बारे में सूचना अलर्ट सेवा के साथ अद्यतन बनाता है।

निम्नलिखित कमरे एनकेएन कनेक्टिविटी से सुसज्जति हैं

200 छात्र क्षमता के साथ ऑडिटोरियम

दो 80 सीटर शिक्षण कक्ष

सम्मेलन कक्ष

बोर्ड रूम

संकाय आवास और अतिथि गृह

संकाय आवास और अतिथि गृह सुविधाओं के लिए अहिलिया कैम्पस के भीतर दो डबल बैड रूम अपार्टमेंट तथा तीन बैड रूम अपार्टमेंट किराए पर लिए गए हैं। ये शैक्षिक ब्लॉक और छात्रावासों के कुछ सौ मीटर की दूरी पर हैं। प्रशासनिक और छात्रावास कर्तव्यों का निर्वाह करने वाले संकाय सदस्य कैम्पस में रहते हैं। अतिथि गृह का प्रयोग मुख्यतः आईआ. ईटी मद्रास के विजिटिंग संकाय को ठहराने के लिए किया जाता है।

छात्रावास सुविधा

आईआईटी पालक्काड छात्रों और छात्राओं के लिए पृथक शौचालयों के साथ पूर्णतः आवासीय है। छात्रावास भवन शैक्षिक भवन से सात सौ मीटर के व्यास के भीतर स्थित हैं। छात्रों को दोहरे–साझा आधार पर आवास प्रदान किया जाता है और सभी कक्षों में बाथरूम संबद्व है। छात्रावास में एक बड़ा भोजन कक्ष तथा सुसज्जित मनोरंजन स्थ. ान, इंडोर खेल और एक फिटनेस केन्द्र है। छात्रावास में समान स्थान में वाईफाई लगा है। प्रदत्त अन्य सुविधाओं में छात्रावासों के प्रत्येक तल पर आरओ पेयजल प्रणाली और एक भारी भरकम वाशिंग मशीन शामिल है।

वर्तमान में उपलब्ध खेल सुविधाओं में टेबल टेनिस और वॉलीबाल कोर्ट शामिल है। फुटबाल तथा क्रिकेट के लिए कोच उपलब्ध हैं। अहिल्याकैम्पस का निर्मल वातावरण कॉस–कट्री दौड़ के लिए आदर्श है।

उचित प्रकार से रौशन सड़कें छात्रावासों और शैक्षिक ब्लॉक को जोड़ती हैं।

शैक्षिक गतिविधियां:

सामान्य सूचना

आईआईटी पालक्काड चार शाखाओं:सिविल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग तथा मेकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक. कार्यक्रम प्रदान करता है। वार्षिक छात्र प्रवेश क्षमता 120 है जो कि सभी चार शाखाओं में समान रूप से वितरित की गयी है। 2015 बैच में पंजीकृत छात्रों की संख्या 108 है जिसमें 104 लड़के और 4 लड़कियां हैं। छात्र देश के विभिन्न भागों से आते हैं जो वास्तव में सर्वदेशीय तथा बहु–सांस्कृतिक वातावरण प्रदान करते हैं। दाखिल छात्रों की जनसांख्यिकी, श्रेणी तथा बांच–वार वितरण क्रमशः निम्नलिखित चार्ट तथा तालिका 1 और 2 में दर्शाया गया है।

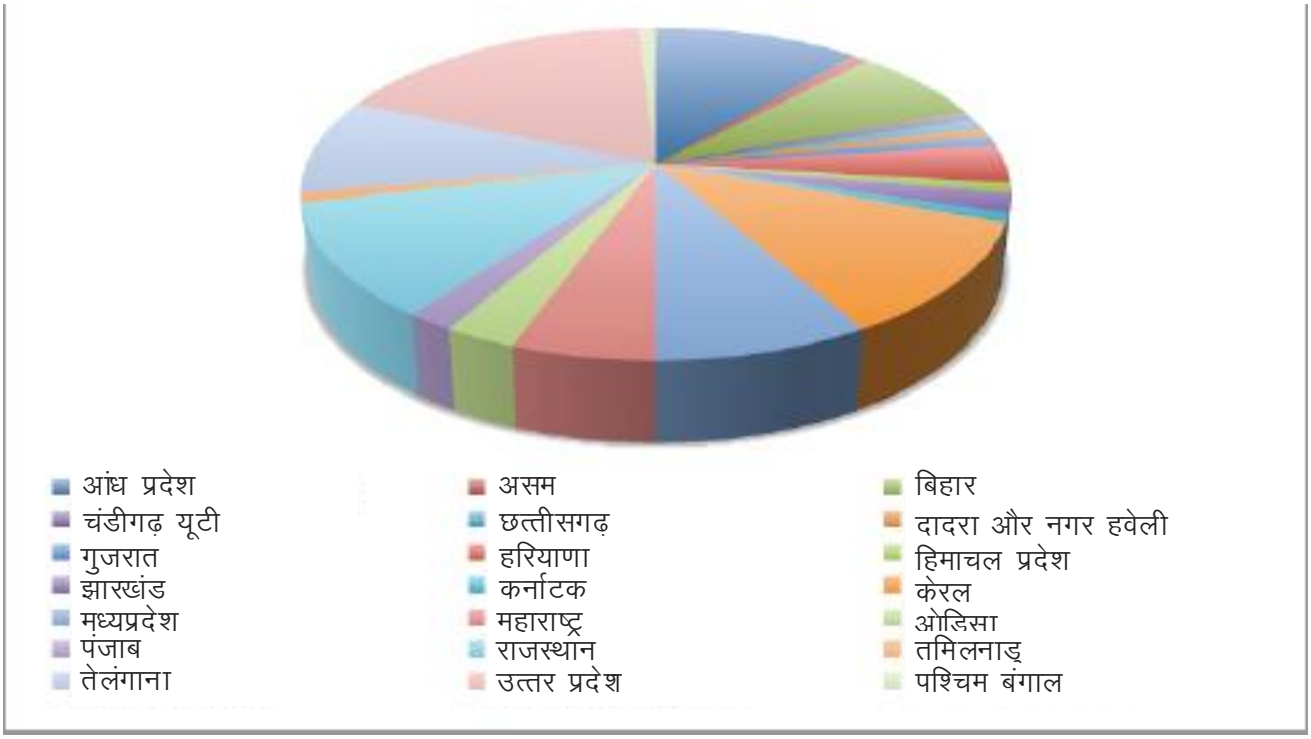

श्रेणी	संख्या
सामान्य	51
सामान्य निःशक्त	01
ओ बी सी–एनसीएल	30
एस सी	17
एस टी	09
कुल	108

तलिका 1: श्रेणी–वार छात्र संख्या

ब्रांच	संख्या
सिविल इंजीनियरिंग	26
कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	26
इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग	28
मेकेनिकल इंजीनियरिंग	28
कुल	108

तलिका 2: ब्रांच–वार छात्र संख्या

पाठ्चर्या

पाठ्यचर्या का निर्धारण आईआईटी मद्रास के वरिष्ठ प्रोफेसरों के शैक्षिक परिषद और आईआईटी मद्रास के 2014 पाठ्यर्चा के आधार पर किया गया है। पहले वर्ष में पाठ्यचर्या सभी शाखाओं के लिए समान है। इसका विवरण तालिका 3 और 4 में दिया गया है।

तालिका 3: सेमेस्टर । पाठ्यचर्या

क्र.सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम शीर्षक	पाठ्यक्रम क्रेडिट	पाठ्यक्रम श्रेणी
.	सीएस1100	कंप्यूटेशनल इंजीनियरिंग	4	बीईटी
.	सीएवाई1010	केमिस्ट्री 1	3	एससीवाई
.	आईडी1100	इंजीनियरिंग डिजाइन में दृष्टिकोण	3	बीईटी
.	एमए1010	गणित II	4	एसएमए
.	एमई1120	इंजीनियरिंग ड्राइंग	3	बीईएस
.	पीएच1010	भौतिकी 1	3	एसपीएच
.	पीएच1030	भौतिकी प्रयोगशाला	2	एसपीएच
.	डब्ल्यूएस1010	कार्यशाला I	2	बीईएस
कुल क्रेडिट			24	

तालिका 4: सेमेस्टर II पाठ्यचर्या

क्र. सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम शीर्षक	पाठ्यक्रम क्रेडिट	पाठ्यक्रम श्रेणी
.	सीवाई1020	केमिस्ट्री II	3	एससीवाई
.	सीवाई1030	रसायन प्रयोगशाला	2	एससीवाई
.	आईडी1200	पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण	2	बीईटी
.	एएम1100	इंजीनियरिंग मैकेनिक्स	4	बीईटी
.	जीएन1100	लाइफ स्किल	2	एचपीएफ
.	एमए1020	गणित II	4	एसएमए
.	पीएच1020	भौतिकी II	3	एसपीएच
.	एमई1100	थर्मोडानेमिक्स	3	बीईटी
.	डब्ल्यूएस1010	कार्यशाला II	2	बीईएस
कुल क्रेडिट			25	

पाठ्यक्रम वितरण

चार वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम के पाठ्यक्रम पांच प्रमुख श्रेणियों में आते हैः मानविकी और सामाजिक विज्ञान (एचएसएस, एचपीएफ,.....), मूल विज्ञान (एसएमए, एसपीएच, एससीवाई.....), बेसिक इंजीनियरिंग थ्योरी/स्किल (बीईटी, बीईएस) तथा व्यावसायिक प्रमुख और लघु थ्योरी तथा प्रयोगषाला (पीएमटी, पीएमएल)। वर्तमान में, पीएमटी और पीएमएल पाठ्यक्रम तीसरे सेमेस्टर से आरंभ हुए। चार वर्श के भीतर बी.टेक. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए छात्र को पहले आठ सेमेस्टर के अंत में कुल 170–172 क्रेडिट अर्जित करने होते है। आईआईटी पालक्काड में संकाय, आईआईटी मद्रास के विजिटिंग संकाय और मेहमान संकाय जो प्रख्यात संस्थाओं से वरिश्ठ सेवानिवृत्त संकाय हैं, सभी पाठ्यक्रमों का संचालन करते है।

ग्रेडिंग नीति

आईआईटी पालक्काड में सतत मूल्यांकन के आधार पर एक ग्रेडिंग पॉलिसी है। ग्रेड किसी विशय को उत्तीर्ण करने के लिए न्यूनतम ई ग्रेड के साथ 10 बिंदु स्केल पर एस, ए, बी, सी, डी, ई, और यू के रूप में प्रदान किए जाते है। संगत क्रेडिट 10, 9, 8, 7, 6, 4 और 0 है। पहले सेमेस्टर के अंत में षैक्षिक प्रदर्षन ग्रेड प्वाइंट औसत (जीपीए के रूप में सार) द्वारा मापा जाता है जो कि सफलतापूर्वक पूरा किए गए पाठ्यक्रम में प्राप्त ग्रेड का भारित औसत है। द्वितीय सेमेस्टर से एक संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए, सभी ग्रेड में प्राप्त ग्रेडों का भारित औसत) इसके दिया जाता है। वर्तमान में छात्रों को एक प्ररूप पांडुलिपि दी जाती है जो किसी सेमेस्टर में उनके प्रदर्षन का सार प्रदान करती है।

ब्रांच में परिवर्तन

छात्रों को पहले वर्ष में उनके शैक्षिक प्रदर्षन के आधार पर ब्रांच बदलने की अनुमति दी जाती है। यह परिवर्तन पहले वर्ष के अंत में किया जाता है। ब्रांच परिवर्तन के नियम आईआईटी मद्रास के 2014 बी.टेक. अध्यादेष और विनियमों पर आधारित हैं। ब्रांच में परिवर्तन का एक माप. दंड शैक्षिक प्रदर्शन के अतिरिक्त प्रत्येक षाखा में स्वीकृत सीमित संख्या है। तालिका 5 ब्रांच परिवर्तन के पष्चात छात्रों की संख्या दर्शाती हैः

ब्रांच	संख्या
सिविल इंजीनियरिंग	23
कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	33
इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग	27
मेकेनिकल इंजीनियरिंग	25
कुल	108

तालिका 5: ब्रांच परिवर्तन के पष्चात ब्रांच–वार छात्र संख्या

उपचारी पाठ्यक्रम

अंग्रेजी भाषा पाठ्यक्रम

अनुदेष का माध्यम अंग्रेजी है। अंग्रेजी भाषा में पर्याप्त पृश्ठभूमि न रखने वाले छात्रों की पहचान करने और उनकी सहायता के लिए एक अंग्रेजी दक्षता परीक्षा आयोजित की गई। वे सभी छात्र जिन्हें आईआईटी पालक्काड में प्रवेष दिया गया है, के लिए परीक्षा में भाग लेना अपेक्षित था। नियमित कक्षा घंटों के पष्चात अंग्रेजी भाशा सुधार कक्षाओं (चालीस संपर्क घंटे) का प्रबंधन किया गया और अंग्रेजी भाषा में कठिनाई पाने वाले 24 छात्रों ने भाशा पाठ्यक्रम से लाभ उठाया।

शैक्षिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए विषेश अभियान

शैक्षिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए सभी थ्योरी पाठ्यक्रमों के लिए नियमित कक्षा घंटों के पष्चात इंटरएक्टिव सत्रों का प्रबंधन किया गया था। छात्रों की पहचान विषिश्ट पाठ्यक्रम में शैक्षिक प्रगति की पहली मूल्यांकन परीक्षा में उनके प्रदर्षन के आधार पर किया गया था। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए सुप्रशिक्षित शिक्षण सहायकों ने परस्पर सत्रों का संचालन किया है और लगभग 20 छात्रों ने इस विशेश अभियान से लाभ उठाया।

छात्र कल्याण

संकाय सलाहकार

संकाय सलाहकार मुख्यतः शैक्षिक दृश्टिकोण से परामर्षदाता के रूप में कार्य करते हैं। वे अध्ययन के पाठ्यक्रम चुनने में मार्गदर्षन देते है और षैक्षिक कार्यक्रम के संबंध में सामान्य सलाह देते हैं जो छात्रों की उनके शैक्षिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में अर्थपूर्ण उद्देष्य स्थापित करने में सहायता करती है। एक संकाय सदस्यों को परामर्ष हेतु अट्ठारह छात्रों का कार्यभार दिया जाता है। छात्रों के साथ आवधिक बैठकों का प्रबंध किया गया और विशिष्ट परिस्थितियों में संकाय सलाहकारों ने आंशिक भावुक गतिरोधों को दूर करने में सलाह प्रदान की।

व्यावसायिक काउंसलिंग

छात्रों द्वारा सामाजिक/भावुक मुद्दों का सामना किए जाने की स्थिति में सहायता सुनिश्चित करने के लिए एक व्यावसायिक काउंसलिंग सेवा मौजूद है। इस सेवा का प्रधान लक्ष्य छात्रों की भलाई है ताकि सभी छात्र आईआईटी पलक्कड़ में उनके निवास के दौरान घर से दूर घर जैसा वातावरण अनुभव करें। वर्तमान में, एक एनआईएमएचएएनएस प्रशिक्षित काउंसलर प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार से शनिवार तक आईआईटी पालक्काड़ का दौरा करता है। शैक्षिक भवन में एक कार्यालय के अतिरिक्त काउंसलर को छात्रावास में भी एक कमरा दिया गया। छात्रों के अनुरूप काउंसलर के कार्यकरण ने छात्रों के बीच जागरूकता फैलाने में सहायता की कि व्यावसायिक काउंसलिंग लेना कोई सामाजिक बुराई नहीं है। काउंसलिंग के जरिए कुछ छात्रों ने लाभ उठाया जिसमें से कुछ ने अपने शैक्षिक प्रदर्षन में सुधार किया।

स्वास्थ्य देखभाल

आईआईटी पालक्काड की अहिल्या इंटीग्रेटिड कैंपस में उपलब्ध अच्छे स्वास्थ्य एवं आपदा देखभाल सुविधाओं तक पहुंच है। आवश्यकता पड़ने पर पालक्काड और कोयम्बटूर में छात्रों को भेजा जाता है। इसके अतिरिक्त, छात्र आंशिक वार्षिक अंशदान पर एक व्यापक चिकित्सा बीमा योजना के तहत षामिल हैं।

छात्रवृत्ति

आईआईटी पलक्कड के छात्रों के लिए भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार योग्यता–सह–साधन छात्रवृत्ति, संस्थान निःषुल्क छात्रवृत्ति तथा एससी/एसटी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति उपलब्ध है। कुल 44 छात्रों को छात्रवृत्तियां दी गई। इसमें एमसीएम छात्रवृत्ति के साथ 27 छात्र, संस्थान की फ्री–षिप के साथ 10 छात्र और एससी/एसटी छात्रवृत्ति के साथ 7 छात्र शामिल है। सभी एमसीएम छात्रवृत्ति धारक उनके निवास के दौरान 1000 रुपए के मासिक पॉकेट भत्ते के अलावा ट्यूशन फीस का भुगतान करने से छूट प्राप्त हैं। संस्थान के फ्री–शिप धारक ट्यूशन फीस का भुगतान करने से छूट प्राप्त हैं। एससी/एसटी छात्रवृत्ति धारक ट्यूशन फीस के भुगतान और छात्रावास में भोजन प्रभारों से छूट प्राप्त हैं और इसके अलावा उन्हें 250 रुपए मासिक का पॉकेट राशि दी जाती है।

छात्र प्राइवेसी

आईआईटी पलक्कड प्रत्येक छात्र की प्राइवेसी का सम्मान करता है और कठोरता से यह विश्वास करता है कि प्रत्येक व्यक्ति का उसकी व्यक्तिगत सूचना की सुरक्षा का अधिकार है। सभी छात्रों का व्यक्तिगत विवरण सख्ती से गोपनीय रखे जाते हैं और सूचना प्रकट नहीं की जाती है। यह छात्रों को उनके विविध वित्तीय/सामाजिक पृश्ठभूमि अथवा श्रेणी पर ध्यान ने देते हुए एकल समूह का भाग बनाने में सहायक होती है। शैक्षिक मंच पर छात्रों को उनके माता–पिता/अभिभावकों को एक प्रति भेजते हुए प्रारूप पांडुलिपि भेजी गई थी और इसे संस्थान/छात्रावास के नोटिस बोर्डों पर प्रदर्शित नहीं किया गया। इससे एक स्वस्थ शैक्षिक वातावरण तैयार करने में सहायता मिली है।

छात्र गतिविधियां और इवेंटः

कई छात्र केंद्रित गतिविधियों और इवेंटों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देष्य प्रत्येक छात्र की बौद्धिक और विद्व त क्षमता का विस्तार और पोशण करना तथा सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता में वृद्धि करना था। इन गतिविधियों ने छात्रों को उनके खाली समय को उत्पादक तरीके से बिताने में सहायता प्रदान की जिससे समग्र शिक्षण वातावरण में सुधार हुआ।

एनएसएस

एनएसएस पाठ्यचर्या का भाग है और यह सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है। एनएसएस की गतिविधियों में कोई शैक्षिक क्रेडिट नहीं दिया जाता है। परंतु इनमें भाग लेना अनिवार्य है। नजदीक के स्कूलों के छात्रों के साथ मेल–मिलाप और उन्हें विज्ञान के जमीनी मौलिक सिद्ध ांतों से अवगत बनाना, स्थानीय अनाथ आश्रमों के निवासियों को कंप्यूटर आधारित अधिगम किट प्रदान करना, छात्र स्वयं सेवकों द्वारा रक्तदान और लैंडस्केप विकास तथा छात्रावास परिसर की सफाई करना 2015–16 के दौरान राश्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत की जाने वाली कुछ छात्र गतिविधियां है।

स्कूल शिक्षण

एक मुख्य गतिविधि ग्रामीण स्कूल के छात्रों को भौतिकी, रसायन और गणित में पाठ के साथ कुछ माध्यमिक कक्षाओं में छात्रों की सहायता से संबंधित था, इसमें भौतिकी और गणित में सरल प्रयोग प्रदर्षित करना और ततप्शचात उनमें निहित मूल सिद्धांतों की व्याख्या करना शामिल था। स्कूल के अध्यापकों ने प्रसन्नता के साथ इसका स्वागत किया और इन प्रयासों का समर्थन किया। एक अथवा अधि ाक संकाय सदस्यों और स्टाफ के पर्यवेक्षण में छात्रों की टीमों ने कोझीपाड़ा में राजकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल का दौरा किया और कई शनिवार के दिन छात्रों के साथ मेल–मिलाप किया। स्कूली छात्र अधिकांशतः कृषि श्रमिकों और अन्य दैनिक मजदूरों के बच्चे हैं। छात्रों के साथ शिक्षण कक्ष शिक्षा–सत्र और मुक्त विचार–विमर्ष किए गए। अध्यापकों तथा छात्रों के बीच का जुड़ाव तुरंत था और स्कूल छात्रों का उत्साह काफी अधिक था। आईआईटी में स्थित अहिल्या पब्लिक स्कूल को भी इसी प्रकार की सेवाएं प्रदान की गईं।

अनाथ आश्रमों को सहायता

छात्रों और संकाय की एक टीम ने अहिल्या परिसर में अना. थालय का दौरा किया और वहां बच्चों के साथ मेल–मिलाप किया। उन्हें शैक्षिक तथा मनोरंजक कार्यक्रमों से सुसज्जित एक वैयक्तिक कंप्यूटर दिया गया।

रक्तदान शिविर

पालक्काड जिले के अस्पताल के ब्लड बैंक की सहायता से एक रक्त दान शिविर का आयोजन किया। छात्रों, संकाय और स्टाफ स्वयंसेवकों ने बड़ी संख्या में रक्तदान किया।

सफाई अभियान

एनएसएस के तत्वाधान में छात्रों ने छात्रावासों में वृहत सफाई अभियान चलाया। इसमें कमरों तथा भवनों के समान क्षेत्रों की सफाई, जंगली घास और निर्माण कचरे को हटाकर छात्रावास परिसर की सफाई और एक वालीबॉल कोर्ट तैयार करना षामिल था। कई स्टाफ और संकाय सदस्यों ने भी इस अभियान में भाग लिया।

लाइफ स्किल

दो क्रेडिट के साथ लाइफ स्किल संबंधी एक पाठ्यक्रम अनिवार्य है परंतु क्रेडिट जीपीए/सीजीपीए की गणना में शामिल नहीं किए जाते हैं। तथापि, यह पाठ्यचर्या के अनुसार अनिवार्य है। प्रत्येक मॉड्यूल के लिए लगभग 3 दिन के साथ दो मॉड्यूल में लाइफ स्किल पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। लीड्स कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, पालक्काड की एक टीम ने दोनों मॉड्यूल संचालित किए। पहला मॉड्यूल अंतर/अंतरा वैयक्तिक कौशल, आत्म–विश्वास पैदा करने का उद्देष्य से एक वैयक्तिक विकास मॉड्यूल था। इसका आईआईटी पालक्काड कैंपस में आयोजन किया गया। दूसरा मॉड्यूल आउटबाउंड प्रशिक्षण का आयोजन लीड्स कॉलेज के परिसर में किया गया। इसमें मुख्यतः समय के साथ संसाधनों के नेतृत्व और प्रबंधन के लिए अपेक्षित कौशल विकसित करने के लक्ष्य के साथ वैयक्तिक और सामूहिक गतिविधियां शामिल हैं।

छात्र परिषद्

छात्र परिषद् की स्थापना के प्रथम कदम के रूप में विभिन्न पदों के लिए छात्र सचिवों का चुनाव के माध्यम से उन्हें चुना गया। आईआईटी पालक्काड संकाय द्वारा तैयार "सॉप बॉक्स" का ऑडिटोरियम में चुनाव की पूर्व संध्या पर आयोजन किया गया। सभी छात्रों ने अत्यधिक उत्साह के साथ इसमें भाग लिया। चुने गुए सदस्य हैः महासचिव, छात्रावास सचिव, खेल सचिव, संस्कृति सचिव और दो भोजनशाला प्रतिनिधि।

संचालित एक्स्ट्रामूरल लेक्चर, सेमिनार और वार्ताएं:

एक्स्ट्रामूरल लेक्चर:

11 सितंबर, 2015: एक उद्यमी की विचार प्रक्रिया
वक्ता: श्री लुईस जॉर्ज, वर्डेंट टेलीमेट्री एंड एंटीना सिस्ट्म्स प्रा. लि. के प्रबंध निदेषक

29 अक्तूबर, 2015: रिदम एप्रीसिएषन प्राइमर: लेक्चर – प्रदर्षन
वक्ता: मृदंगमविद्वान, श्री टी.आर. राजामणि

28 फरवरी, 2016: रेसिंग कार और ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग
वक्ता: श्री जे. आनंद, प्रबंध निदेषक, जेयम ऑटोमोटिव्स

सेमिनार और वार्ताएं

20 अगस्त, 2015: "आईआईटी का निर्माण"
वक्ता: प्रोफेसर आर. कल्याण कृश्णन, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास

04 सितंबर, 2015: "अध्यापक के रूप में मेरा अनुभव"
वक्ता: प्रोफेसर एम.एस. मैथ्यु, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास

15 सितंबर, 2015: "विंड टर्बाइन"
वक्ता: श्री रंजन देष पाण्डेय, वरिश्ठ प्रबंधक, अधिगम एवं विकास कार्य, सुजलोन (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रबंधित)

16 सितंबर, 2015: सॉफ्टवेयर डिजाइन:
वक्ता: श्री रामास्वामी कृश्णन – चित्तूर, वरिश्ठ सॉफ्टवेयर इंजीनियर, माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेषन

17 सितंबर, 2015: षिक्षा में अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त करना
वक्ता: प्रोफेसर डेविड आर. कोइल पिल्लई, डीन आयोजना, आईआईटी मद्रास

21 अक्तूबर, 2015: जैव–प्रेरित काल्पनिक सतर्कता
वक्ता: प्रोफेसर शिवषंकर बी नायर कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी

16 जनवरी, 2016: प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्टार्ट–अप इंडिया का सीधा प्रसारण

21 जनवरी, 2016: अंडर वाटर निगरानी औरट संचारः आरएंडडी में संभावना और चुनौतियां
वक्ताः श्री एस. केदारनाथ षिनोए, उत्कृश्ट वैज्ञानिक और निदेषक, एनपीओएल, कोचीन

03 फरवरी, 2016: प्रौद्योगिकी विकास की अंतर–विशयक प्रकृतिः सेमीकंडक्टर उद्योग का एक पहलू
वक्ताः डॉ. अरविन्द अजय, आईआईटी पलक्कड

12 फरवरी, 2016: इंजीनियरिंग ऊर्जा सक्षम ईंजनः सेलफोन और डाटा केंद्रों के लिए पॉवर समस्या का निदान
वक्ताः डॉ. इगनिसिएस बेसम, विजिटिंग प्रोफेसर आईआईटी मद्रास

18 फरवरी, 2016: हमारे बेकयार्ड में आण्विक निदानः वैष्वीकृत जगत में स्वदेषी प्रौद्योगिकी
वक्ताः प्रोफेसर देषदीप सहदेव, कुजर टेक्नोलॉजीस, प्रोफेसर, आईआईटी कानपुर

17 फरवरी, 2016: फास्ट इंटीजर मल्टीप्लीकेषन एल्गोस्थिमः एक परिदृष्य
वक्ताः डॉ. पीयुश पी. कुरूर, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी कानपुर

19 फरवरी, 2016: लाइट स्कल्पचर्ड फोटोनिक मैटिरियलः फेब्रीकेषन और एप्लीकेषन
वक्ताः प्रोफेसर जोबी जोसेफ, भौतिकी विभाग, आईआईटी दिल्ली

03 मार्च, 2016: ग्रेवीटेषनल वेव्स पर विचार–विमर्ष
वक्ताः डॉ. अर्चना पाई, स्कूल ऑफ फिजिक्स, आईआईएसईआर–त्रिवेन्द्रम

इवेंट–कार्यषालाएं/बैठकें

12 सितंबर, 2016: सीएफआई छात्र सदस्यों, आईआईटी मद्रास द्वारा प्रदर्षन–सह–विचार–विमर्ष

23 जनवरी, 2016: एफओएसएस तथा हार्डवेयर हैकिंग संबंधी कार्यषाला वक्ताः श्री प्रमोद सी

इवेंट–समारोह

15 अगस्त, 2016: स्वतंत्रता दिवस समारोह

28 अगस्त, 2016: ओणम आयोजन

05 सितंबर, 2015: षिक्षक दिवस समारोह

30 अक्तूबर, 2015: गेट टू–गेटररू छात्र, संकाय, स्टाफ और आईआईटी परिवार

10 नवंबर, 2015: दीवाली आयोजन

11 नवंबर, 2015: रामायणः दीवाली समारोह के भाग के रूप में छात्रों द्वारा आयोजित एक नाटक

26 जनवरी, 2016: गणतंत्र दिवस समारोह

वित्तीय रिपोर्ट

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) चेन्नै का कार्यालय

लेखापरीक्षा भवन, 361, अण्णा सालै, तेनामपेट, चेन्नै–600 018

संख्या पीडीए;सीद्ध /सीई/ I/28–53/2016–17/76 दिनाकं : 31.10.2016

सेवा में

सचिव, भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय,

उच्चतर शिक्षा विभाग,

नई दिल्ली–110001.

महोदय,

विषयः वर्ष 2015–16 के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के लेखों के संबधं में पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट (एसएआर)

मुझे वर्ष 2015–16 के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के लेखा विवरण सहित लेखापरीक्षा रिपोर्ट अग्रेषित करने का निदशे हुआ है। पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट सहित लेखों को सदन के समक्ष रखे जाने की तारीख कृपया इस कार्यालय को सूचित कर दी जाए।

कृपया अनुलग्न सहित इस पत्र की पावती भजेने का कष्ट करें।

भवदीय,
हस्ता/–

निदेशक/सीई

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के लेखों के संबंध में 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास की 31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार संलग्न तुलन पत्र और प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 1961 की धारा 23(2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कर्तव्य, अधिकार और सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) के अंतर्गत उस तारीख को समाप्त वर्श के लिए आय और व्यय लेखे तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखों की लेखापरीक्षा की है, जिसमें आईआईटीएम के परामर्शदाता संस्थान होने के नाते आईआईटी पालक्काड और आईआईटी तिरूपती के लेनदेन शामिल हैं। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर विचार व्यक्त करना है।

2. इस अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट में सर्वोच्च लेखा प्रकियाओं के साथ वर्गीकरण, अनुरूपता, लेखा मानकों और प्रकटन मानदंडों इत्यादि के संबंध में केवल लेखा उपचार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के विचार शामिल हैं। कानून, नियमावली और विनियम (संपदा और नियामक) के अनुसरण के संबंध में वित्तीय लेन–देन और सक्षमता–सह–निश्पादन पहलू इत्यादि पर लेखापरीक्षा व्याख्या अलग से निरीक्षण रिपोर्टों/सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से सूचित किया जाता है।

3. हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार की है। इन मानकों में यह आवश्यक होता है कि हम इस बात पर समुचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाते हैं कि क्या वित्तीय विवरण प्रस्तुत गलत विवरण ों से मुक्त है। किसी ऑडिट में जांच आधार पर वित्तीय विवरणों में राशि और प्रकटन के समर्थनकारी साक्ष्यों की जांच करना शामिल होता है। किसी लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों का मूल्यांकन तथा प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमान तथा वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण के मूल्यांकन भी शामिल होते हैं। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा में हमारे विचारों के लिए समुचित आधार का प्रावधान है।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर हम सूचित करते हैं कि:

(प) हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक थी;

(पप) इस रिपोर्ट में तुलन पत्र, आय और व्यय लेखे तथा प्राप्ति और भुगतान लेखे मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा अनुमोदित प्रपत्र में तैयार किए गए हैं।

(पपप) हमारे विचार से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास द्वारा प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 1961 की धारा 23;1द्ध लेखों और अन्य संगत रिकार्डों की उचित पुस्तक जहां तक वह इनकी जांच से लगती है, यथापेक्षित अनुसार रखी गई है।

(पअ) हम आगे यह सूचित करते हैं कि :

क. तुलन पत्र
निधियों का प्रयोग
अनुसूची 4–अचल संपत्तियां–ख. अमूर्त संपत्ति
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां–अनुसूची 23

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां–अनुसूची 23 के अनुसार पेटेंट प्रदान किए जाने के लिए दायर 639 आवेदनों में स`अब तक 140 पेटेंट प्रदान किए गए हैं।

तथापि, पेटेंट प्राप्त करने के लिए हुए व्यय को 'इंटेंजिबल परिसंपत्तियों' के तहत पूंजीकृत एवं लेखन के स्थान पर राजस्व व्यय के रूप में लिया गया था। यह पद्वति मानव संसाधन विकास मंत्रालय क`लेखा प्रपत्र के उल्लंघन में है जो निम्नानुसार उल्लेख करती है:

''समय–समय पर पेटेंट प्राप्त करने के लिए हुआ व्यय ;आवेदन शुल्क, विधायी व्यय इत्यादिद्ध अस्थायी रूप से पूंजीकृत है और इसे तुलन पत्र में इंटेजिबल परिसंपत्तियों के भाग के रूप में दर्शाया गया है। यदि पेटेंट का आवेदन अस्वीकृत कर दिया जाता है तो उस विशिष्ट पेटेंट पर हुए संचयी व्यय को आवेदन अस्वीकृत होने वाले वर्ष में आय तथा व्यय लेखे में छोड़ दिया जाता है। प्रदत्त पेटेंट पर व्यय को संरक्षण आधार पर 9 वर्ष के चक्र के लिए छोड़ दिया जाता है।''

ख. सामान्य

1. अनुसूची 24 – आकस्मिक देनदारी और लेखा टिप्पणी–ख। लेखा टिप्पणी–31.3.2016 के अनुसार परियोजना परिसंपत्ति का मूल्य 502,04,34,615 रुपए

परियोजना निधियों में से अर्जित परिसंपत्ति के मूल्य पर अवमूल्यन परिसंपत्तियों को विभिन्न श्रेणियों अर्थात उपकरण, कम्प्यूटर उपस्कर, फर्नीचर और फिक्सचर्स इत्यादि में पृथक किए बगैर एकसमान रूप से सीधी रेखा पद्वति पर 8 प्रतिशत की दर से निर्धारित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, ''सकल ब्लॉक'', ''अवमूल्यन ब्लॉक'' और ''निवल ब्लॉक'' निर्धारित नहीं किए गए हैं जो कि मानव संससाधन विकास मंत्रालय के लेखा प्रपत्र का उल्लंघन है।

2. छात्रवृत्ति लेखा–वित्तीय विवरणों के साथ संबद्ध नहीं प्रायोजित फैलोशिप तथा छात्रवृत्तियों के स्रोत–वार ब्यौरे दर्शाने वाला विवरण

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा संस्थानों/केन्द्रीय स्वायत निकायों के लिए वित्तीय विवरणों के प्रपत्र के अनुसार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मंत्रालय तथा अन्य (वैयक्तिक रूप से उल्लेख किया जाए) से छात्रवृत्ति और प्रायोजित फैलोशिप को वर्ष के आरंभ में आरंभिक शेष, वर्ष के अंत में अंतिम शेष में से अंतिम बकाया को दर्शाते हुए अनुसूची 3 (ख) प्रायोजित फैलोशिप तथा छात्रवृत्ति में दर्शाया गया है, जिसमें परिणास्वरूप केडिटर का कॉलम अनुसूची–8–ऋण, अग्रिम और जमा के तहत तुलन पत्र में परिसंपत्ति पक्ष में दिखाया जाएगा।

तथापि, जैसा कि संस्थान के वार्षिक लेखो से देखा गया है, प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति के संबंध में लेखन की उपरोक्त पद्व ति का अनुसरण नहीं किया गया है।

ग. लेखों में संशोधन

संस्थान के लेखों में लेखापरीक्षा टिप्पणियों के परिपेक्ष्य में संशोधन किया गया था। संशोधन के परिणामस्वरूप परिसंपत्तियों एवं देनदारियों में 7.97 करोड़ रूपए की वृद्वि हुई तथा घाटे में 2.22 करोड़ रूपए की कमी हुई।

घ. सहायता अनुदान

वर्ष के दौरान जारी 820.26 करोड़ रूपए के कुल अनुदान ;आईआईटी पालक्काड के लिए 25 करोड़ रूपए और आईआईटी तिरूपती के लिए 18 करोड़ रूपए सहितद्ध में से 56.08 करोड़ रूपए तथा 165.23 करोड़ रूपए का आंतरिक राजस्व पिछले वर्ष का अव्ययित शेष होने के नाते (कुल 1041.57 करोड़ रूपए) संस्थान 855.07 करोड़ रूपए की राशि का ही प्रयोग कर सका जिससे 31 मार्च, 2016 के अनुसार 186.50 करोड़ रूपए की राशि शेष बच गयी।

(अ) पिछले अनुच्छेद में हमारी व्याख्या के अधीन हम यह सूचित करते हैं कि इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय और व्यय लेखे तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखे लेखों की पुस्तिका के अनुसरण में हैं।

(अप) हमारे विचार में और हमारी सूचना और हमें दी गई व्याख्या के अनुसार लेखा नीतियों तथा लेखों संबंधी टिप्पणी के साथ पठित उक्त वित्तीय विवरण और उपर्युक्त उल्लिखित महत्वपूर्ण मामलों तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अध ीन उक्त वित्तीय विवरण भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार सही विचार प्रस्तुत करते हैं:

क. जहां तक वे 31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के मामलों के तुलन पत्र से संबद्ध हैं और
ख. जहां तक वे इस तारीख पर समाप्त वर्श के लिए बेशी के आय और व्यय लेखों से संबद्ध हैं।

कृते भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक

स्थान : चेन्नई
दिनांक : 31.10.2016

हस्त/–
प्रधान लेखापरीक्षा निदेशक;केन्द्रीय चेन्नई

लेखापरीक्षा रिपोर्ट का अनुबंध

1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की सक्षमता

आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली अपर्याप्त है चूंकि इसमें पेटेंट के पूंजीकरण के संबंध में एमएचआरडी प्रपत्र का अनुपालन नहीं किया गया है और बैंक पुनःर्मिलान समुचित रूप से नहीं किया गया था।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की सक्षमता

आंतरिक नियंत्रण अपर्याप्त पाया गया। 30.9.2013 से 28.12.2015 की अवधि के दौरान ''परियोजना लेखे'' के संबंध में बैंक खाते में 67,45,822 रूपए की सीधे जमा कर दी गयी राशि को परियोजना लेखे की बैंक पुस्तक में राजस्व के रूप में नहीं माना गया और दर्ज नहीं किया गया है। उपर्युक्त राशि अभी भी मार्च 2016 के बैंक समाधान बयान में दर्शाया गया है।

3. अचल परिसंपत्तियों की वास्तविक जांच

वर्ष 2015–16 के दौरान अचल परिसंपत्तियों की वास्तविक जांच की गयी थी।

4. संपत्ति–सूची की वास्तविक जांच की प्रणाली

वर्ष 2015–16 के दौरान संपत्ति–सूची की वास्तविक जांच की गयी थी।

5. सांविधिक देयताओं के भुगतान में नियमितता

संस्थान द्वारा सभी सांविधिक देयताओं का भुगतान किया गया है।

निदेशक / सीई

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास
वर्ष 2015–16 के लिए सहायता अनुदान विवरण (संशोधित लेखों पर आधारित)

रूपए करोड में

परियोजना का नाम जिसके लिए अनुदान प्राप्त हुआ है अथवा सामान्य अनुदान	पिछले वर्ष से आगे ले जाई गयी अनुदान की राशि	वर्ष 2015–16 के दौरान प्राप्त अनुदान की राशि	आंतरिक राजस्व अर्जन	कुल	वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि 2015–16	31.3.2016 के अनुसार अप्रयुक्त राशि जिसे अगले वर्ष आगे ले जाया गया
योजनागत अनुदान	(10.91)	177.50		166.59	194.33	(27.74)
गैर योजनागत अनुदान	1.82	240.00	50.24	292.06	318.48	(26.42)
परियोजनाएं	174.32	359.76	5.33	539.41	322.56	216.85
कुल	165.23	777.26	55.57	998.06	835.37	162.69
आईआईटी पालक्काड–योजनागत अनुदान	-	25.00	0.23	25.23	10.74	14.49
आईआईटी तिरुपति– योजनागत अनुदान	-	18.00	0.28	18.28	8.96	9.32
कुल योग	165.23	820.26	56.08	1,041.57	855.07	186.50

31.3.2016 को समाप्त वर्ष के लिए

आईआईटी पालक्काड लेखे
भारतीय स्टेट बैंक

राशि रुपए में

पिछला वर्ष		चालू वर्ष
	आरंभिक वर्ष	
0.00	बैंक बकाया	0.00
0.00	निवेश	0.00
0.00	**कुल**	**0.00**
	प्राप्ति	
0.00	प्राप्त अनुदान (2015.16)	25,00,00,000.00
0.00	टयूशन फीस प्राप्ति	22,73,939.00
0.00	आईआईटी–एमएफ लेखे से ऋण	2,12,22,941.00
0.00	**कुल प्राप्ति**	**27,34,96,880.00**
0.00	**कुल योग**	**27,34,96,880,00**
	भुगतान	
0.00	प्रशासनिक व्यय	3,86,875.00
0.00	वेतन	87,06,360.00
0.00	छात्रवृत्ति	1,48,448.00
0.00	उपकरण	5,56,82,822.00
0.00	उपभोज्य	8,69,621.00
0.00	आकस्मिकता	1,22,03,010.00
0.00	यात्रा	28,18,289.00
0.00	घटक	1,67,858.00
0.00	अन्य	2,63,69,133.00
0.00	आईआईटी–एम ए लेखे से ऋण	1,65,31,339,00
0.00	**कुल भुगतान**	**12,38,83,755.00**
	अंतिम बकाया	
0.00	बैंक बकाया	14,96,13,125.00
0.00	**कुल**	**14,96,13,125.00**
0.00	**कुल योग**	**27,34,96,880.00**

उप कुलसचिव (एफए)

INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY PALAKKAD
आई आई टी पालक्काड 2015 16

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पालक्काड